

सांस्कृतिक स्रोत एवं प्रशिक्षण केन्द्र (संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार के अंतर्गत एक स्वायत्त संस्थान)

सीसीआरटी समाचार

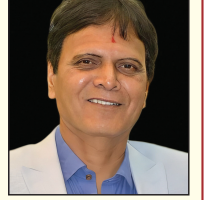
CCRT Newsletter

खण्ड 4 • अंक 03-04 • मार्च-अप्रैल 2026

Volume 4 • Issue 03-04 • March-April, 2026

पुनरुत्थान काल में कला-चिंतन

नव-शास्त्रीय युग के महान दार्शनिक रेने देकार्त (1596 से 1650) क्रिश्चन थे तथा उनपर पवित्र बायबल के नियमों का प्रभाव था। वह विवेकी थे। उनके मतानुसार धर्मग्रंथों के विचारों को तर्कशास्त्री की मदद मिली है। इसीलिए हमारी बुद्धि उस प्रकार काम करती है। उनके अनुसार बायबल के कथनों को दो भागों में बाँटा जा सकता है। पहला भाग विश्वास के आधार पर विश्वसनीय है। उदाहरणार्थ, देह धारण का रहस्य, परमेश्वर का अस्तित्व इत्यादि। दूसरा भाग विश्वास पर ही आधारित है। किन्तु इस दूसरे भाग का अन्वेषण तर्क की मदद से हो सकता है। उदाहरणार्थ, ईश्वर का अस्तित्व तथा बुद्धि एवम् शरीर का भेद।



देकार्त के विचारों से सौंदर्यशास्त्रीय आनंद (अस्थैटिक डिलाइट) इंद्रियों को प्रदत्त ऐसे वस्तुओं के कुछ निश्चित प्रमाणबद्धता इस तत्व पर निर्भर करता है। ये वस्तुएँ आनंदमयी होती हैं। किन्तु दृष्टि के क्षेत्र में यह वस्तुएँ सरल या कठिन मार्ग अपनाने पर भी नहीं आती। वह केवल 'सामंजस्य' (मेल) के कारण होती है। सामंजस्य का अर्थ है उत्तेजना तथा प्रतिक्रिया इनमें प्रस्थापित प्रमाणबद्धता।

देकार्त के अनुसार प्रकृति में स्थित हर वस्तु की परिभाषा करनी चाहिये। शारीरिक प्रक्रिया तथा संवेग तथा इनकी भी परिभाषा करना आवश्यक है। भले ही ऐसी परिभाषा यांत्रिकी दृष्टि से क्यों न की जाए। वे विवेकवादी थे। अतः उनके विचारों में यंत्रवाद तथा विवेकवाद का समिश्रण था। उनके अनुसार आत्मा के तीन विभाग होते हैं- कल्पना, बुद्धि तथा इच्छाशक्ति। काव्य की रचना इन विभागों के कारणवश होती है। सौंदर्यशास्त्र का अनुभव एक बौद्धिक आल्हाद होता है। किसी विलक्षण साहसपूर्ण काम को देखकर अथवा कोई रचना को पढ़कर अथवा उसका मंच-प्रदर्शन देखकर हम में एक प्रकार का संवेग या अनुराग उत्पन्न होता है। इसी समय हमें बौद्धिक आल्हाद की प्राप्ति होती है।

डॉ. विनोद नारायण इन्दुरकर
अध्यक्ष, सीसीआरटी

प्रमुख गतिविधियों की झलकियाँ



मार्च-अप्रैल 2026 की प्रमुख गतिविधियाँ

छात्रवृत्ति और अध्येतावृत्ति / SCHOLARSHIP AND FELLOWSHIP

संयुक्त सचिव का सीसीआरटी मुख्यालय आगमन एवं समीक्षा बैठक

दिनांक 3 मार्च, 2026 को सांस्कृतिक स्रोत एवं प्रशिक्षण केंद्र (सीसीआरटी) मुख्यालय, नई दिल्ली में संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार के संयुक्त सचिव कमलेश कुमार मिश्र का आगमन हुआ। इस अवसर पर सीसीआरटी के अध्यक्ष विनोद नारायण इंदुरकर एवं निदेशक राजीव कुमार ने पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका स्वागत किया। सीसीआरटी के छात्रवृत्ति धारकों द्वारा दो सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ दी गईं। तत्पश्चात आयोजित समीक्षा बैठक में संस्थान की योजनाओं एवं भावी कार्ययोजनाओं पर चर्चा की गई।



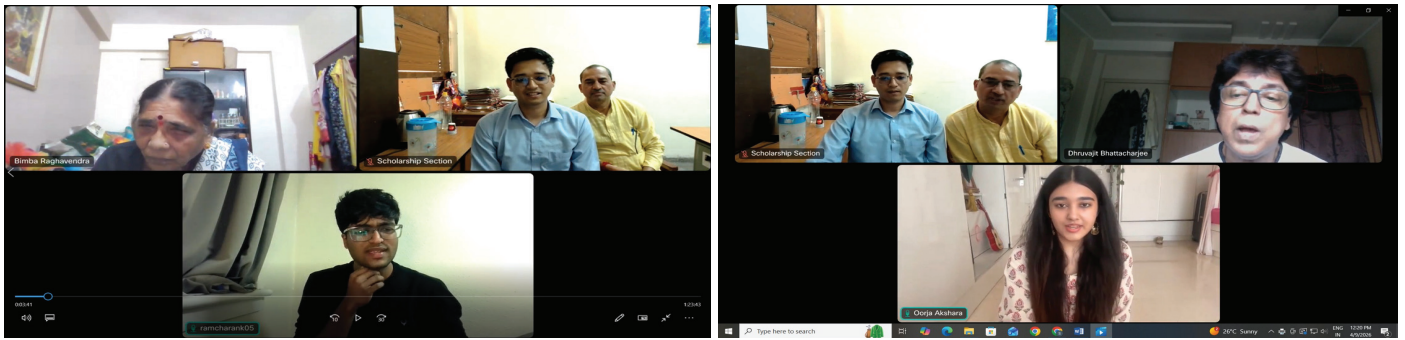
सीसीआरटी परिसर में होलिका दहन समारोह

3 मार्च 2026 को सीसीआरटी परिसर में होलिका दहन का पावन पर्व अत्यंत श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर सीसीआरटी के माननीय अध्यक्ष महोदय डॉ. विनोद नारायण इंदुरकर एवं एनसीजेडसीसी के निदेशक सुदेश शर्मा की गरिमायुगी उपस्थिति रही।

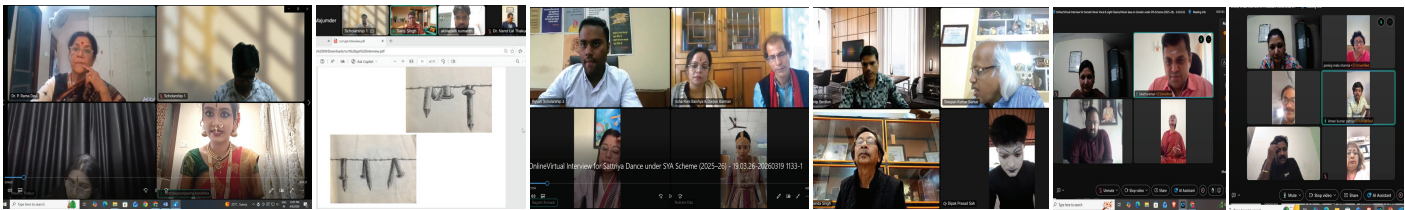
माननीय अध्यक्ष महोदय ने नमन करते हुए पूजा-अर्चना कर होलिका दहन किया, जो बुराई पर अच्छाई की विजय का प्रतीक है। इस अवसर पर सीसीआरटी परिवार के सभी अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे और सभी ने मिलकर भारतीय संस्कृति और परंपराओं की भावना को सजीव किया।

वर्ष 2025-26 के लिए सांस्कृतिक प्रतिभा खोज छात्रवृत्ति योजना (सीटीएसएसएस) के तहत छात्रवृत्ति प्रदान करने तथा छात्रवृत्ति धारकों के नवीनीकरण के लिए क्षेत्रीय चयन समिति (आरएससी) की बैठक

- सीसीआरटी ने वर्ष 2025-26 के लिए सांस्कृतिक प्रतिभा खोज छात्रवृत्ति योजना (सीटीएसएसएस) के अंतर्गत छात्रवृत्तियों के चयन तथा वर्तमान छात्रवृत्ति धारकों के नवीनीकरण हेतु क्षेत्रीय चयन समिति (आरएससी) की बैठक आयोजित की थी। यह बैठक पोर्ट ब्लेयर, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह के आवेदकों के लिए 8 मार्च, 2026 को ऑनलाइन आयोजित की गई थी। इस बैठक में साक्षात्कार/परीक्षण आयोजित करने के लिए विभिन्न क्षेत्रों से कुल 03 विशेषज्ञों को जूरी सदस्य के रूप में आमंत्रित किया गया था।



- सीसीआरटी द्वारा वर्ष 2025-26 के लिए विभिन्न सांस्कृतिक क्षेत्रों में युवा कलाकारों को छात्रवृत्ति (एसवाईए) प्रदान करने के उद्देश्य से 6 से 27 मार्च, 2026 तक सिस्को वेबेक्स सॉफ्टवेयर के माध्यम से ऑनलाइन विशेषज्ञ समिति की बैठक आयोजित की गई थी। इस बैठक में साक्षात्कार/परीक्षण संपन्न कराने हेतु विभिन्न क्षेत्रों के कुल 65 विशेषज्ञों को जूरी सदस्य के रूप में आमंत्रित किया गया।



जनजातीय विरासत की जीवंत झलक - 'ट्राइब्स आर्ट फेस्ट 2026'

5 मार्च 2026 को जनजातीय कार्य मंत्रालय द्वारा आयोजित 'ट्राइब्स आर्ट फेस्ट 2026' के अन्तर्गत सीसीआरटी अध्येता श्री रवींद्रनाथ और उनकी प्रतिभाशाली टीम द्वारा प्रस्तुत पुरलिया छऊ नृत्य ने त्रावणकोर पैलेस में दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। शक्तिशाली मुद्राओं, आकर्षक मुखौटों और गतिशील कहानी कहने के साथ, इस प्रस्तुति ने भारत की समृद्ध जनजातीय परंपराओं के सार को खूबसूरती से प्रस्तुत किया। जिसका सांस्कृतिक समन्वय सीसीआरटी, नई दिल्ली के छात्रवृत्ति अनुभाग द्वारा किया गया।



12 मार्च 2026 को नई दिल्ली स्थित ट्रैवन्कोर पैलेस में आयोजित 'ट्राइब्स आर्ट फेस्ट 2026' के अंतर्गत मुंडारी जनजातीय लोक नृत्य की मनमोहक प्रस्तुति ने दर्शकों को गहराई से प्रभावित किया। यह प्रस्तुति लखन मुंडा एवं उनकी ऊर्जावान टीम द्वारा प्रस्तुत की गई, जिसमें शक्तिशाली नृत्य मुद्राओं, आकर्षक मुखौटों और भावपूर्ण कथानक का अद्भुत समन्वय देखने को मिला।

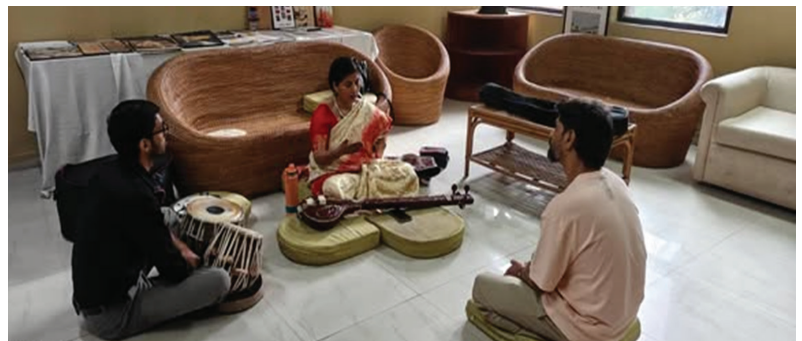
यह कार्यक्रम जनजातीय कार्य मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा आयोजित जनजातीय कला उत्सव 2026 का एक महत्वपूर्ण भाग था, जिसका सांस्कृतिक समन्वय सांस्कृतिक स्रोत एवं प्रशिक्षण केंद्र (सीसीआरटी), नई दिल्ली के छात्रवृत्ति अनुभाग द्वारा किया गया।



सीसीआरटी परिसर में भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद (आईसीसीआर) शिक्षकों-सह-कलाकारों हेतु अभिमुखीकरण एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम

भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद (आईसीसीआर) के शिक्षकों-सह-कलाकारों के लिए प्रदर्शन कला, अभिविन्यास एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन सीसीआरटी, नई दिल्ली द्वारा 9-10 मार्च 2026 को सीसीआरटी परिसर में किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य चयनित हिंदुस्तानी गायकों को आईसीसीआर सांस्कृतिक केंद्रों तथा विदेशों में स्थित भारतीय दूतावासों में तैनाती के लिए तैयार करना था, ताकि वे वैश्विक मंच पर भारत की समृद्ध शास्त्रीय संगीत परंपरा का प्रतिनिधित्व और प्रचार कर सकें।

इस अवसर पर प्रसिद्ध गायिका डॉ. सरिता पाठक यजुरवेदी ने स्रोत व्यक्ति के रूप में भाग लिया। उन्होंने शिक्षण विधियों, प्रदर्शन पद्धतियों तथा सांस्कृतिक प्रस्तुति से संबंधित महत्वपूर्ण अंतर्दृष्टियाँ साझा की, जिससे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत की संगीत-परंपरा की पहुंच को और अधिक सशक्त बनाने में सहायता मिले।



संस्कृति, संवाद और डिजिटल शक्ति: 'वंदे मातरम्' पर विशेष कार्यक्रम

13 मार्च 2026 को 'द अशोक' में युवाओं के बीच 'वंदे मातरम्' को लोकप्रिय बनाने के उद्देश्य से एक आकर्षक जनसंपर्क कार्यक्रम आयोजित किया गया था। इस कार्यक्रम का आयोजन संस्कृति मंत्रालय द्वारा किया गया तथा इसका समन्वय सीसीआरटी ने किया। कार्यक्रम में माननीय संस्कृति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत और प्रमुख सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स के बीच 'वंदे मातरम्' की विरासत और भारत की सांस्कृतिक कथाओं को नई मीडिया के माध्यम से व्यापक बनाने की भूमिका पर संवाद हुआ।

कार्यक्रम की शुरुआत 'वंदे मातरम्' पर आधारित ओडिसी नृत्य की मनमोहक प्रस्तुति से हुई, जिसकी कोरियोग्राफी कविता द्विवेदी ने की। इसके बाद संस्कृति मंत्रालय और पर्यटन मंत्रालय के सचिवों के साथ एक सारगर्भित संवाद हुआ। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण मंत्री का प्रेरक संबोधन और संवाद सत्र रहा, जिसमें उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि डिजिटल मंच किस प्रकार भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को नई पीढ़ी तक पहुंचाने में सहायक हो सकते हैं। कार्यक्रम का समापन उत्साहपूर्ण प्रश्नोत्तर सत्र और प्रतिभागी रचनाकारों के सम्मान के साथ हुआ, जिससे यह आयोजन 'वंदे मातरम्' की शाश्वत भावना का एक सार्थक उत्सव बन गया।



'प्रारंभ 2026' में सीसीआरटी की सांस्कृतिक प्रस्तुति

20 मार्च 2026 को विज्ञान भवन में आयोजित 'प्रारंभ 2026' के शुभारंभ समारोह में, जिसकी गरिमामयी उपस्थिति माननीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने दी, सांस्कृतिक प्रस्तुति कार्यक्रम का विशेष आकर्षण बनी। इस सांस्कृतिक खंड का सुंदर संयोजन सीसीआरटी द्वारा किया गया।

सीसीआरटी छात्रवृत्ति धारक श्री आयुष द्विवेदी ने अपनी टीम के साथ सरस्वती वंदना की शांतिमय प्रस्तुति, 'वंदे मातरम्' की प्रेरक प्रस्तुति तथा राष्ट्रगान के गरिमापूर्ण गायन के माध्यम से एक भावपूर्ण वातावरण निर्मित किया गया, जिसने उपस्थित दर्शकों के मन में गौरव और सांस्कृतिक संवेदना का भाव उत्पन्न किया।



भारतीय राष्ट्रीय कला एवं सांस्कृतिक धरोहर (आईजीएनसीए), क्षेत्रीय केंद्र, गुवाहाटी का स्थापना दिवस समारोह

भारतीय राष्ट्रीय कला एवं सांस्कृतिक धरोहर (आईजीएनसीए), क्षेत्रीय केंद्र, गुवाहाटी ने अपना स्थापना दिवस 19 मार्च 2026 को सीसीआरटी, क्षेत्रीय केंद्र, गुवाहाटी के प्रशिक्षण कक्ष में मनाया। इस अवसर पर पद्मश्री सम्मानित श्री सुरज्य कांत हजारिका जी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे और कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। सांस्कृतिक संध्या में सत्रीय नृत्य परंपराओं की मनमोहक प्रस्तुतियाँ शामिल रहीं, जिनमें माटियाखारा, राजाघरिया चालि तथा श्रीमंत शंकरदेव की सिशुलेला का प्रदर्शन किया गया। इसके साथ ही माजुली की रासलीला पर आधारित एक वृत्तचित्र भी प्रस्तुत किया गया।



शहीदी दिवस 2026 पर “देश स्वरांजलि: वंदे मातरम्” की भावपूर्ण प्रस्तुति

‘वंदे मातरम्!’ के 150 वर्ष (विशेष चरण) के अवसर पर 24 मार्च 2026 को शहीदी दिवस का आयोजन शालीमार पैलेस, राजगुरुनगर, पुणे में संस्कृति मंत्रालय, सीसीआरटी तथा महाराष्ट्र सरकार द्वारा किया गया। यह कार्यक्रम उन स्वतंत्रता सेनानियों को गौरवपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित करने के लिए आयोजित किया गया, जिन्होंने ‘वंदे मातरम्’ की भावना को आत्मसात किया।

इस अवसर पर महाराष्ट्र के सांस्कृतिक कार्य एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री माननीय श्री आशिष शेलार, माननीय विधायक श्री शरद भीमाजी सोनावने, संस्कृति सचिव श्री विवेक अग्रवाल तथा संयुक्त सचिव श्री समर नंदा की गरिमामयी उपस्थिति रही।

कार्यक्रम का एक प्रमुख आकर्षण “देश स्वरांजलि: वंदे मातरम्” शीर्षक से प्रस्तुत ऑर्केस्ट्रा रहा, जिसका सुंदर संयोजन सीसीआरटी द्वारा राग देश पर आधारित किया गया था। इस प्रस्तुति का प्रदर्शन 20 युवा कलाकारों ने सीसीआरटी छात्रवृत्ति धारक एवं संतूर वादक निनाद अधिकारी के निर्देशन में किया।



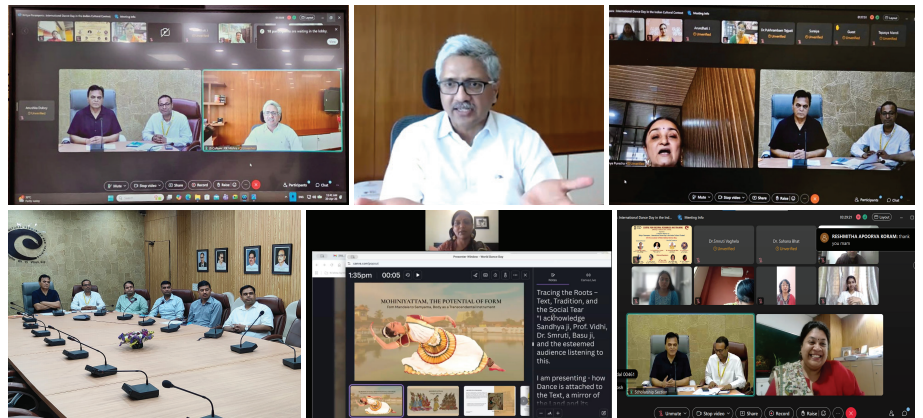
वर्ष 2025-26 के लिए सांस्कृतिक प्रतिभा खोज योजना (सीटीएसएस) के तहत छात्रवृत्ति प्रदान करने तथा छात्रवृत्ति धारकों के नवीनीकरण के लिए क्षेत्रीय चयन समिति (आरएससी) की बैठक

- सीसीआरटी ने वर्ष 2025-26 के लिए सांस्कृतिक प्रतिभा खोज छात्रवृत्ति योजना (सीटीएसएस) के अंतर्गत छात्रवृत्तियों के चयन तथा वर्तमान छात्रवृत्ति धारकों के नवीनीकरण हेतु क्षेत्रीय चयन समिति (आरएससी) की बैठक आयोजित की। यह बैठक पोर्ट ब्लेयर, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह के आवेदकों के लिए 8 मार्च, 2026 को ऑनलाइन आयोजित की गई थी। इस बैठक में साक्षात्कार/परीक्षण आयोजित करने के लिए विभिन्न क्षेत्रों से कुल 03 विशेषज्ञों को जूरी सदस्य के रूप में आमंत्रित किया गया।
- सीसीआरटी, के छात्रवृत्ति अनुभाग ने शैक्षणिक वर्ष 2026-27 के लिए “सांस्कृतिक प्रतिभा खोज छात्रवृत्ति योजना (सीटीएसएस)” के अंतर्गत आवेदन आमंत्रित करते हुए विज्ञापन जारी किया। यह विज्ञापन 26 अप्रैल 2026 को देश के प्रमुख दैनिक समाचार पत्रों में प्रकाशित किया गया, जबकि 02 मई 2026 के रोजगार समाचार में भी इसे प्रकाशित किया गया। सीसीआरटी द्वारा संचालित यह योजना देश की उभरती सांस्कृतिक प्रतिभाओं को प्रोत्साहन एवं आर्थिक सहयोग प्रदान करने के उद्देश्य से चलाई जाती है। इसके माध्यम से विभिन्न कला विधाओं में प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति प्रदान की जाती है।

‘अंतरराष्ट्रीय नृत्य दिवस’ पर आयोजित ‘राष्ट्रीय वेबिनार’

सीसीआरटी, नई दिल्ली ने 29 अप्रैल 2026 को अंतरराष्ट्रीय नृत्य दिवस के अवसर पर ‘नृत्य परंपरा : भारतीय सांस्कृतिक संदर्भ में अंतरराष्ट्रीय नृत्य दिवस’ विषय पर राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया। इस वेबिनार में विश्व प्रतिष्ठित विद्वानों, कलाकारों एवं प्रतिभागियों ने भाग लिया। कार्यक्रम का उद्घाटन संबोधन सीसीआरटी की अध्यक्ष द्वारा दिया गया। संस्कृति मंत्रालय के संयुक्त सचिव ने अपने मुख्य वक्तव्य में सीसीआरटी की इस पहल की सराहना करते हुए मुख्य अतिथि, वक्ताओं, विद्वानों, कलाकारों एवं प्रतिभागियों का स्वागत किया। उन्होंने भारतीय सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए ऐसे वेबिनार और संगोष्ठियों की आवश्यकता पर बल दिया।

मुख्य अतिथि डॉ. सांध्या पुरेचा, अध्यक्ष, संगीत नाटक अकादमी ने भारत की समृद्ध नृत्य परंपरा को संरक्षित करने के लिए दस्तावेजीकरण, शोध एवं व्यवस्थित प्रशिक्षण की आवश्यकता पर विशेष जोर दिया। वेबिनार में विभिन्न विशेषज्ञ वक्ताओं ने अपने विचार साझा किए। प्रो. विधि नागर ने नृत्य को परंपरा, शोध, चिंतन एवं गुरु-शिष्य परंपरा से विकसित होने वाली कला बताया। डॉ. स्मृति वाघेला ने नृत्य में सौंदर्य, आनंद एवं रस की अवधारणा पर विस्तार से प्रकाश डाला।



सुश्री श्रेयंका बसु ने नृत्य के भविष्य पर चर्चा करते हुए कहा कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), डिजिटल अभिलेखीकरण और नई मीडिया तकनीकें शास्त्रीय नृत्य परंपराओं के संरक्षण, शिक्षण एवं वैश्विक प्रसार में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती हैं। वहीं सुश्री दीपा चक्रवर्ती ने 'मंडला से संयम' तक मोहिनीयट्टम की संरचनात्मक एवं आध्यात्मिक संभावनाओं पर अपने विचार प्रस्तुत किए।

वेबिनार का समापन सीसीआरटी के अध्यक्ष के वैलिडिक्टरी संबोधन के साथ हुआ। अंत में सीसीआरटी के निदेशक ने सभी वक्ताओं एवं प्रतिभागियों को शुभकामनाएं दीं।

‘हिंदी में टिप्पण-आलेखन कैसे करें’ विषय पर कार्यशाला

सीसीआरटी मुख्यालय के सम्मेलन कक्ष में दिनांक 16 मार्च 2026 को “हिंदी में टिप्पण-आलेखन कैसे करें” विषय पर जनवरी-मार्च 2026 की तिमाही हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में डॉ. जितेंद्र वीर कालरा (राजभाषा) ने उपस्थित कार्मिकों के समक्ष विषय पर सारगर्भित व्याख्यान प्रस्तुत किया।



प्रशिक्षण अनुभाग/ TRAINING SECTION

सीसीआरटी, नई दिल्ली के प्रशिक्षण अनुभाग से डॉ. संदीप शर्मा, उपनिदेशक (प्रशिक्षण) एवं प्रभारी, क्षेत्रीय केन्द्र दमोह द्वारा दिनांक 14 से 17 अप्रैल, 2026 तक क्षेत्रीय केन्द्र दमोह का आधिकारिक दौरा किया गया। साथ ही, “ज्ञान भारतम् मिशन” के अंतर्गत क्षेत्रीय सर्वेक्षण भी संपन्न किया गया। इस अवसर पर क्षेत्राधिकारी श्री चंद्रमौलि त्रिपाठी एवं श्री देवनारायण रजक भी उपस्थित रहे।



सर्वेक्षण के क्रम में टीम द्वारा सीसीआरटी के प्रतिष्ठित स्रोत व्यक्ति, प्रो. (डॉ.) श्यामसुंदर दूबे (पूर्व निदेशक, मुक्तिबोध सृजनबोध, सागर विश्वविद्यालय) से भेंट की गई। जिसमें क्षेत्र की साहित्यिक एवं लोक परंपराओं, कला एवं साहित्य पर विस्तृत विचार-विमर्श किया गया। साथ ही प्रो. (डॉ.) श्यामसुंदर दूबे द्वारा क्षेत्र में उपलब्ध महत्वपूर्ण पांडुलिपियों से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी भी साझा की गई।

दौरे के दौरान डॉ. संदीप शर्मा ने माननीय मंत्री श्री धर्मेन्द्र सिंह लोधी, राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार), संस्कृति, पर्यटन, धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व विभाग, मध्यप्रदेश शासन, से शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर मंत्री महोदय का पुष्पगुच्छ, श्रीफल एवं अंगवस्त्र प्रदान कर अभिनंदन किया गया। बैठक में डॉ. शर्मा द्वारा सीसीआरटी की गतिविधियों एवं उनकी क्षेत्रीय प्रासंगिकता पर विस्तृत जानकारी दी गई। माननीय मंत्री महोदय ने संस्था के कार्यों की सराहना करते हुए क्षेत्रीय केन्द्र दमोह सहित सीसीआरटी के सतत विकास हेतु शुभकामनाएं प्रदान कीं।



डॉ. संदीप शर्मा ने अपने सहयोगियों के साथ जिला कलेक्टर, दमोह, श्री प्रताप नारायण यादव से कलेक्ट्रेट में औपचारिक भेंट की। इस दौरान सीसीआरटी एवं क्षेत्रीय केन्द्र दमोह की गतिविधियों, उद्देश्यों तथा क्षेत्रीय स्तर पर उनकी महत्वपूर्ण भूमिका पर विस्तृत चर्चा की गई। बैठक में केन्द्र के भावी विकास, विस्तार, सांस्कृतिक पहलों के सुदृढ़ीकरण तथा स्थानीय स्तर पर प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर सकारात्मक संवाद हुआ। कलेक्टर महोदय ने आश्वासन दिया कि जिला प्रशासन द्वारा सीसीआरटी के कार्यक्रमों में आवश्यक मार्गदर्शन एवं सहयोग निरंतर प्रदान किया जाएगा।



स्वच्छता पखवाड़ा (16 से 30 अप्रैल, 2026)

सीसीआरटी मुख्यालय, नई दिल्ली एवं चारों क्षेत्रीय केन्द्रों में 16-30 अप्रैल, 2026 तक स्वच्छता पखवाड़ा आयोजित किया गया। उद्घाटन अवसर पर स्वच्छता शपथ दिलाई गई तथा परिसर में श्रमदान किया गया। नई दिल्ली में इस दौरान “स्वच्छ भारत स्वस्थ भारत” विषय पर नुक्कड़ नाटक, “वेस्ट टू आर्ट” कार्यशाला एवं वेक्टर-जनित रोगों पर जागरूकता सत्र आयोजित हुए। “एक पेड़ माँ के नाम” अभियान के अंतर्गत पौध रोपण किया गया, जिसमें कर्मचारियों एवं ट्रैफिक पुलिस की सहभागिता रही। इस दौरान सफाई अभियान, व्याख्यान, मूकाभिनय एवं स्टोरी टेलिंग कार्यशालाओं के माध्यम से स्वच्छता एवं पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाई गई। स्वच्छता पखवाड़ा के अंतर्गत महारानी लक्ष्मीबाई शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, दमोह में “अपशिष्ट से कला” विषय पर कार्यशाला आयोजित हुई। श्री सुशील कुमार नामदेव ने स्वच्छता एवं पर्यावरण संरक्षण पर व्याख्यान दिया। प्राचार्य श्री आलोक सोनवलकर की उपस्थिति में कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। अंत में “वंदे मातरम्” के 150 वर्ष पर सामूहिक गायन किया गया।



कार्यशाला (प्रशिक्षण) अनुभाग/ WORKSHOP (TRAINING) SECTION

“उत्तराखंड की सांस्कृतिक विरासत का उत्सव” विषय पर कार्यशाला

(01 अप्रैल, 2026 सीसीआरटी मुख्यालय, नई दिल्ली)

सांस्कृतिक स्रोत एवं प्रशिक्षण केंद्र (सीसीआरटी), नई दिल्ली द्वारा दिनांक 1 अप्रैल 2026 को “उत्तराखंड की सांस्कृतिक विरासत पर आयोजित संवाद एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम” का सफल आयोजन किया गया। इस अवसर पर सीसीआरटी को पद्मभूषण श्री भगत सिंह कोश्यारी जी, पूर्व राज्यपाल (महाराष्ट्र एवं गोवा) एवं पूर्व मुख्यमंत्री, उत्तराखंड का मुख्य अतिथि के रूप में स्वागत करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ।

कार्यक्रम में सीसीआरटी के सीटीएसएसएस छात्रवृत्ति धारकों, जो कि उत्तराखंड से हैं, द्वारा उत्तराखंड के लोकनृत्य की मनमोहक प्रस्तुति दी गई, जिसने प्रदेश की समृद्ध परंपराओं और सांस्कृतिक धरोहर को जीवंत कर दिया।

माननीय मुख्य अतिथि ने कलाकारों के प्रदर्शन की सराहना करते हुए उन्हें सीसीआरटी का प्रमाण-पत्र एवं पुस्तकें प्रदान कर सम्मानित किया। साथ ही उन्होंने कलाकारों को प्रोत्साहित कर उनका हौसला बढ़ाया। संस्कृति, प्रतिभा और परंपरा का यह उत्सव सभी के लिए अविस्मरणीय रहा।

“शिक्षा में नाट्यकला” विषय पर कार्यशाला

(27 अप्रैल से 01 मई, 2026 डाइट, रेवाड़ी हरियाणा)

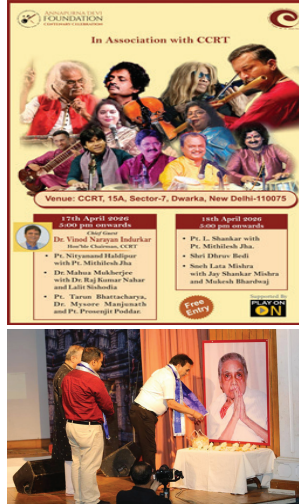
सांस्कृतिक स्रोत एवं प्रशिक्षण केन्द्र (सीसीआरटी), संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली एवं जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डाइट) रेवाड़ी, हरियाणा के सहयोग से 27 अप्रैल से 1 मई 2026 तक आयोजित पाँच दिवसीय कार्यशाला में 156 शिक्षक प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। इस कार्यशाला में शिक्षा में नाट्यकला, स्टोरीटेलिंग, बॉडी लैंग्वेज, इम्प्रोवाइजेशन, रोल प्ले, थिएटर-बेस्ड लेसन प्लान, फोक थिएटर एवं थिएटर फॉर सोशल चेंज जैसे विषयों पर विशेषज्ञों द्वारा प्रशिक्षण दिया गया। समापन दिवस पर सांस्कृतिक प्रस्तुतियों, समूह गतिविधियों और प्रमाण-पत्र वितरण के साथ कार्यक्रम सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। इस कार्यशाला ने शिक्षकों को नाट्य-कला के माध्यम से शिक्षण को अधिक जीवंत, रचनात्मक और प्रभावी बनाने की प्रेरणा दी।



मूल्यांकन अनुभाग/ EVALUATION SECTION

दो दिवसीय संगीत महोत्सव

सांस्कृतिक स्रोत एवं प्रशिक्षण केन्द्र (सीसीआरटी) द्वारा अन्नपूर्णा देवी फाउंडेशन के सहयोग से दिनांक 17-18 अप्रैल, 2026 को दो दिवसीय संगीत महोत्सव का आयोजन किया गया। यह महोत्सव भारतीय संगीत की समृद्ध परंपराओं की आत्मीय यात्रा का वर्णन किया गया। इस कार्यक्रम की प्रस्तुति सीसीआरटी के भारतमुनि नाट्यगृह में किया गया। कार्यक्रम के दौरान प्रसिद्ध कलाकारों द्वारा दी गई सुरमयी प्रस्तुतियों से मंच पर जीवंत हों उठा, जिससे श्रोतागण मंत्रमुग्ध हो गये। इस कार्यक्रम के विशेष अतिथि सीसीआरटी के माननीय अध्यक्ष महोदय (डॉ. विनोद नारायण इंदुरकर) थे। उनकी गरिमामयी उपस्थिति से यह कार्यक्रम और भी प्रेरणादायी बनी।



सीसीआरटी मुख्यालय, नई दिल्ली :

डॉ. विनोद नारायण इंदुरकर, अध्यक्ष, सीसीआरटी
 श्री राजीव कुमार (भा.रा.से.), निदेशक, सीसीआरटी
 डॉ. राहुल कुमार, उप निदेशक (मूल्यांकन एवं अध्येतावृत्ति)
 डॉ. संदीप शर्मा, उप निदेशक (प्रशिक्षण-I)
 श्री दिबाकर दास, उप निदेशक (छात्रवृत्ति)
 श्री आशुतोष, उप निदेशक (प्रशिक्षण-II, सामान्य प्रशासन एवं उत्पादन)
 श्री अनुभव सिंह, उप निदेशक (प्रशासन)
 श्री राम सरन, उप निदेशक (वित्त)

सीसीआरटी क्षेत्रीय केंद्र :

डॉ. राहुल कुमार, उप निदेशक एवं प्रभारी
 सीसीआरटी क्षेत्रीय केंद्र, हैदराबाद, तेलंगाना
 श्री दिबाकर दास, उप निदेशक एवं प्रभारी
 सीसीआरटी क्षेत्रीय केंद्र, गुवाहाटी, असम
 श्री आशुतोष, उप निदेशक एवं प्रभारी
 सीसीआरटी क्षेत्रीय केंद्र, उदयपुर, राजस्थान
 डॉ. संदीप शर्मा, उप निदेशक एवं प्रभारी
 सीसीआरटी क्षेत्रीय केंद्र, दमोह, मध्य प्रदेश



सांस्कृतिक स्रोत एवं प्रशिक्षण केन्द्र

(संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार के अंतर्गत एक स्वायत्त संस्थान)

15ए, सेक्टर-7, द्वारका, नई दिल्ली - 110075 भारत

दूरभाष : 011-25309300 ई-मेल : dir.ccrt@nic.in वेबसाइट : www.ccrtindia.gov.in

क्षेत्रीय केन्द्र

सांस्कृतिक स्रोत एवं प्रशिक्षण केन्द्र
 # 1-118/सीसीआरटी, सर्वे नं. 64
 (गूगल ऑफिस के निकट),
 मधापुर, हैदराबाद, तेलंगाना
 पिन कोड :- 500 084
 दूरभाष : +91+040+23111910/23117050
 ई-मेल : rchyd.ccrt@nic.in

क्षेत्रीय केन्द्र

सांस्कृतिक स्रोत एवं प्रशिक्षण केन्द्र
 58, जुरीपार, पंजाबारी रोड
 गुवाहाटी, असम
 पिन कोड : 781037
 दूरभाष : +91-0361-2335317
 ई-मेल : rcgwt.ccrt@nic.in

क्षेत्रीय केन्द्र

सांस्कृतिक स्रोत एवं प्रशिक्षण केन्द्र
 हवाला खुर्द, बड़गाँव,
 उदयपुर, राजस्थान
 पिन कोड : 313011
 दूरभाष : +91+0294-2430764
 ई-मेल : rcud.ccrt@nic.in

क्षेत्रीय केन्द्र

सांस्कृतिक स्रोत एवं प्रशिक्षण केन्द्र
 पुरानी कलेक्ट्रेट बिल्डिंग,
 दमोह, मध्य प्रदेश
 पिन कोड :- 470661
 ई-मेल : rcdamoh-ccrt@gov.in



@CCRTDelhi



@ccrtofficialchannel



ccrtnewdelhi



@CCRTNewDelhi

संरक्षक: डॉ. विनोद नारायण इंदुरकर, अध्यक्ष, सीसीआरटी

संपादक: अनुज कुमार बाजपेयी, क्षेत्राधिकारी

प्रकाशन सहयोग: श्री रमनीक कुमार, प्रकाशन सहायक एवं श्री विरेन्द्र कुमार, ग्राफिक डिजाइनर

मार्गदर्शक: श्री राजीव कुमार, निदेशक, सीसीआरटी